Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	Project on **Importance of Hawan for pure environment and good health**	
Academic Session	2019-20	
Organizing Department/ Committee	Moral Education	
Total Number of Students Participated in the Project	05	
Brief Report	The Project entitled **Importance of Hawan for pure environment and good health** was undertaken by the Department of Moral Education during the session of 2019-20 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 05 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator	Signature of & Stamp of Principal

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
1	Akansha Yuvraj Tirpude	B.A	B.A ll
2	Saranga Natthu Mankar	B.A	B.A ll
3	Shikha Rajesh Mehraliya	B.A	B.A ll
4	Shilpa ishwar Sahare	B.A	B.A ll
5	Yogita Deepa Wadhwa	B.A	B.A ll

Front Page of Project

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAY

NAGPUR JARIPATKA

Moral Education

PROJECT ON - Importance of Havan for pure environment and good health

CLASS- B.A II year

SESSION-2019-20

PROJECT SUBMISSION BY -

Akansha Yuvraj Tirpude

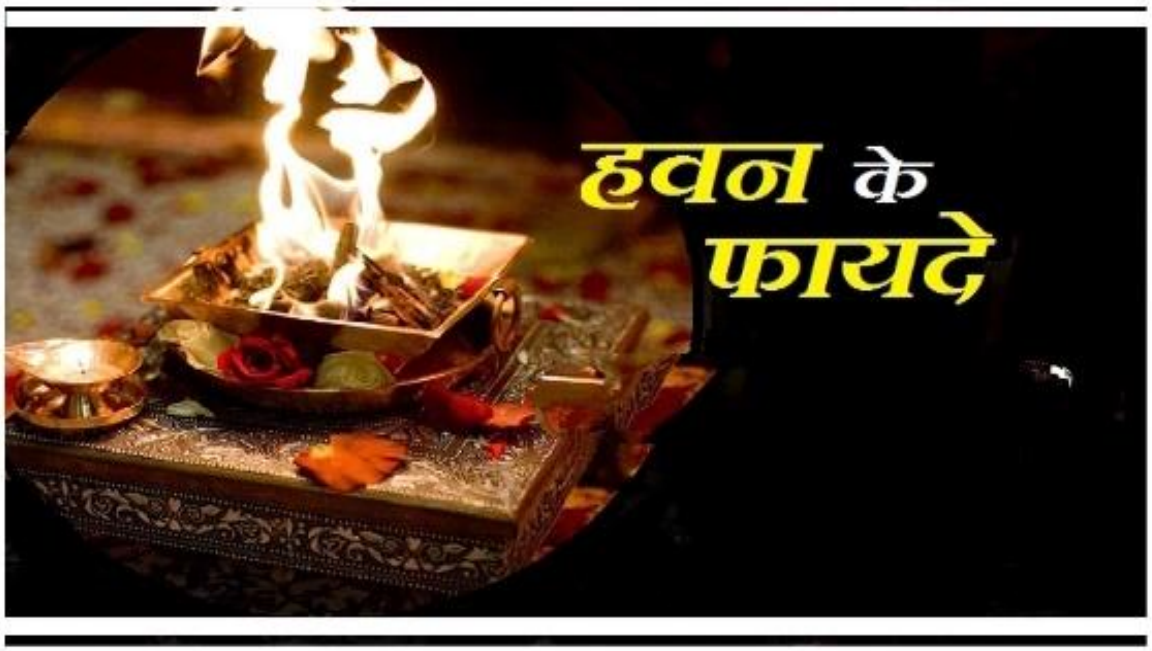

ओ३म्

ARYA VIDYA SABHA'S
DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA
Jaripatka, Nagpur.

Moral Education Project

Organised By

Department of Moral Education

CERTIFICATE

This is to certify that the project Work in the subject Moral Education entitled Importance of Havan for pure environment and good health has been successful completd by Ku.Akansha Yuvraj Tirpude of B.A II year during the Academic session 2019-20 Hence the certificate is awarded to her.

Co-Ordinator
Mrs Anita Sharma
Dept. of Music
DAKM, Nagpur

Principal .
Dr. Shraddha Anilkumar
DAKM, Nagpur

Project Copy

शुद्ध वातावरण और
उत्तम स्वास्थ्य के लिए
हवन का महत्व

1] परियोजना चयन या विषय चयन :-

होम, हवन या यज्ञ वैदिक परंपरा या हिंदु धर्म में शुद्धिकरण का एक अनुष्ठान है। अग्निकुण्ड में तंत्र-मंत्र के उच्चारण के साथ अग्नि को स्थापित करके ईश्वर की उपासना करने की प्रक्रिया को यज्ञ कहते है। हवि, हव्य अथवा हविष्य वे पदार्थ हैं जिनकी अग्नि में आहुति दी जाती है [जो अग्नि मे समर्पित किये जाते हैं] है।

हवन आहुति महत्वपूर्ण गोघृत है। गोघृत मे वह शक्ति है, जिससे जल-वायु मे मिले विष का तत्काल विनाश हो जाता है। जब गोघृत को चावल के साथ मिश्रित करके यज्ञ में आहुति डाली जाती है, तो इससे एसिटलीन नामक तत्व उत्पन्न होता है, जो की प्रदूषित वायु को अपनी तरफ खींचकर शुद्ध कर देता है।

हवन से वातावरण शुद्ध होता है, और बैक्टीरिया खत्म होते है। एक अनुसंधानिक रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस के ट्रेले नामक वैज्ञानिक ने पर शोध के दौरान पाया जब आम की लकड़ी जलती है, तो फार्मिक एल्डिहाइड गैस उत्पन्न होती है। जो खतरनाक बैक्टीरिया और कीटाणुओं को मारती है तथा वातावरण को शुद्ध करती है।

2] पारियोजना के उद्देश्य :-

हवन का उद्देश्य वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करके वातावरण को शुद्ध करना है। हवन के माध्यम से ही पर्यावरण के विभिन्न घटकों में प्राकृतिक और भौतिक संसाधनों के साथ जैव विविधता की भी सुरक्षा की जाती है। मानव जीवन के कल्याण में हवन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हवन में प्रयुक्त घी तथा जल, समिधा व सुगन्धित द्रव्य क्रिया शुद्धि के लिए छोड़ा जाता है। जो अपने श्रेष्ठ गुणों से वातावरण को शुद्ध बनाती है।

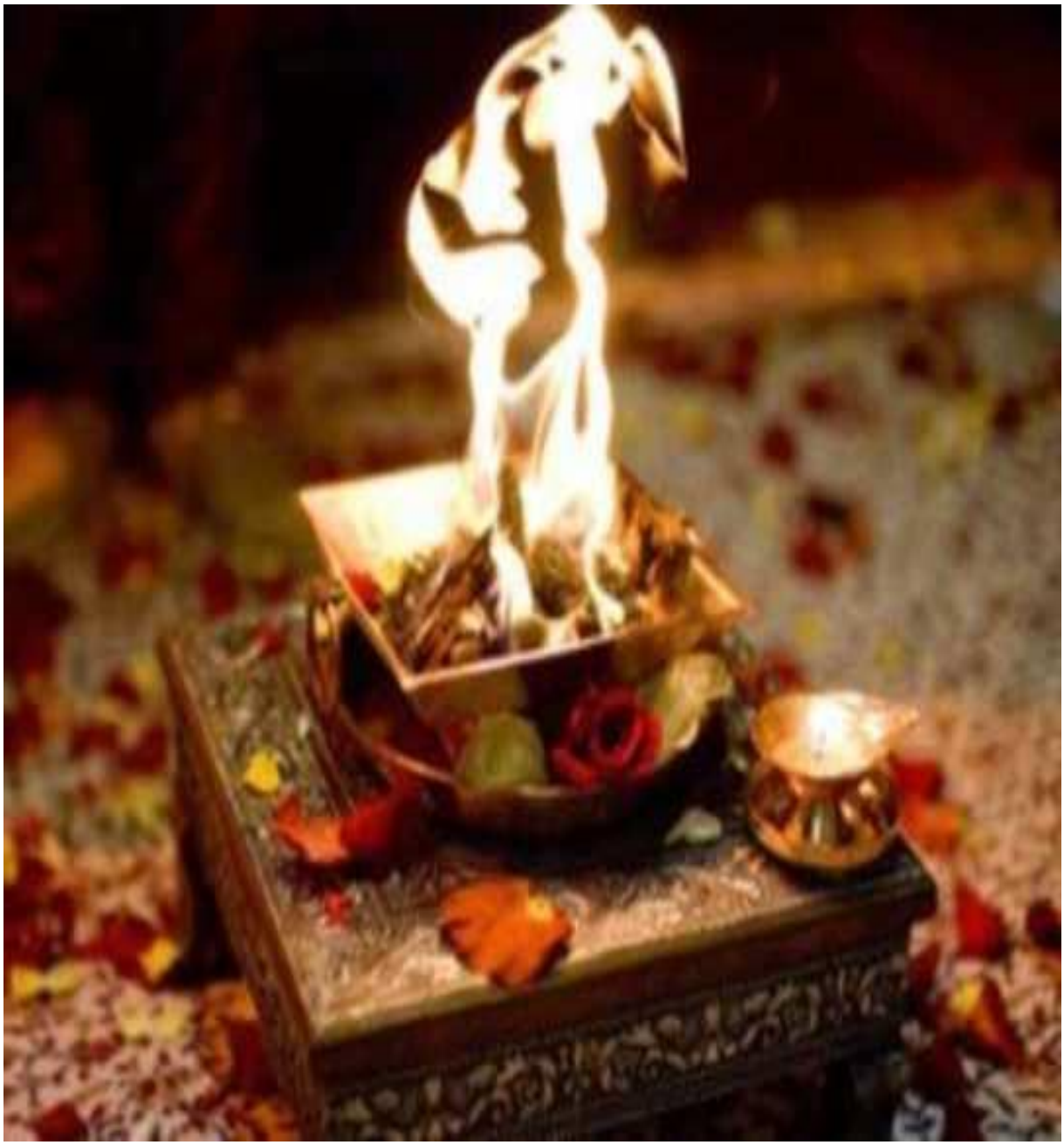

Page No.
Date

3) परियोजना का महत्व :—

हवन से जो धुआ निकलता है, उससे वायुमंडल शुद्ध होता है। हवन में इस्तेमाल होने वाली सामग्री सेहत को लिए अत्यंत फायदेमंद होती है। इसमें गाय के गोबर से बने कंडे का इस्तेमाल भी किया जाता है। हवन करने से कई प्रकार की बिमारीयां से बचा जा सकता है क्योंकि इसमें लगभग 94 प्रतिशत हानिकारक जीवाणु नष्ट करने की क्षमता होती है।

ग्रंथो मे अनेक तरह के यज्ञ और हवन बताए गए है जिनका शुभ प्रभाव न केवल व्यक्ति बल्कि वायुमंडल को भी लाभ पहुंचाता है। अनेक वैज्ञानिक शोधो से स्पष्ट हुआ है, कि हवन और यज्ञ के दौरान बोले जाने वाले मंत्र, प्रज्जवलित होने वाली अग्नि और धुंए से होने वाले अनेक प्राकृतिक लाभ मिलते है, जो हमें एवं हमारी प्रकृति को लाभ पहुँचाने है। वैज्ञानिक दृष्टि से हवन से निकाले वाले अग्नि के ताप और उसमें आहुति के लिए उपयोग की जाने वाली हवन की प्राकृतिक सामग्री यानी समिधा वातावरण में फैले रोगाणु और विषाणुओ को नष्ट करती है, बल्कि प्रदूषण को भी मिटाने मे सहायक होती है। साथ ही उनकी सुगंध व धूम मन के तन की अशांति व थकान को भी दूर करने वाली होती है।

इस तरह हवन स्वस्थ और निरोगी जीवन का श्रेष्ठ धार्मिक और वैज्ञानिक उपाय है।

Page No.
Date

4] परियोजना की पद्धति :-

सामग्री :-

हवन कुंड, आम की लकड़ी, चावल, जौ, कलावा, शक्कर, गाय का घी, पान का पत्ता, काला तिल, सूखा नारियल, लौंग, इलायची, कपूर, बताशा, अश्वगंधा, लोभान आदि।

विधि :-

किसी स्वच्छ स्थान पर हवन कुंड का निर्माण करें। सबसे पहले हवन कुंड को गंगाजल से शुद्ध कर लें। हवन कुंड के चारों तरफ कलावा बांध दें। हवन कुंड में आम के पेड़ की लकड़ी और कपूर से अग्नि प्रज्वलित करें। मंत्रों का उच्चारण करें। और हवन कुंड में सभी देवी-देवताओं के नाम का आहुति दें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कम से कम 108 बार आहुति देनी चाहिए।

5) परियोजना का निरीक्षण :-

महाविद्यालय के प्रांगण मे हवन की सामग्री एकत्र करके । पूर्ण विधी अनुसार, मंत्रो का उच्चारण करके हवन कुंड मे सभी देवी-देवताओं के नाम की आहुति देकर हवन भलीभाँती संपन्न किया गया।

आचार्या जी ने पर्यावरण प्रदूषण के लिए हवन का महत्व बताते हुए कहा, पर्यावरण में मिश्रित रोगाणुओं का हवन के धुआं से नाश होता है। चित्त शांत रहता है। मनुष्य को रोग प्रतिरोधक क्षमता मे अभिवृध्दी होती है। हवन से मन व बुद्धि निर्मल होती है।

यथार्थ हवन संपन्न होने पर आत्मिक शांती का आभास हुआ। सभी ने पर्यावरण प्रदूषण मुक्ती के लिए प्रार्थना की।

Page No.
Date

6] परियोजना का विश्लेषण :-

औषधीय युक्त हवन सामग्री से हवन - यज्ञ करने से पर्यावरण शुद्ध होगा, वही वायरस का संक्रमण भी नष्ट हो जाएगा। अनेक वैज्ञानिकों एवं धर्मगुरुओं ने कोरोना महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए एवं वातावरण की शुद्धि के लिए हवन यज्ञ का अद्भुत लाभ बताया है।

जिस स्थान पर हवन किया जाता है वहां उपस्थित लोगों पर तो उसका सकारात्मक असर पड़ता ही है, साथ ही वातावरण में मौजूद रोगाणु और विषाणुओं के नष्ट होने से पर्यावरण भी शुद्ध होता है, शरीर स्वस्थ रहता है